न्यायालय जिला कलक्टर एवं मजिस्ट्रेट, श्रीगंगानगर

विविध बैंक प्रकरण संख्या 195/2024(GCMS : 2024/278)

इंडिया शेल्टर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय 6th फ्लोर, प्लॉट नं. 15, इंस्टीटयूशनल एरिया, सेक्टर–44, गुरूग्राम एवं शाखा कार्यालय श्रीगंगानगर

बनाम

1. **अमनदीप कौर पत्नी श्री कुलविन्द्र सिंह** पता वार्ड नं. 4, ग्राम 1 बीबी, पोस्ट ऑफिस ढिंगावाली जाटान, जिला श्रीगंगानगर **अन्य पता** पट्टा नं. 37, बुक नं. 155, 1 बीबी, ग्राम पंचायत 8 एचएच, तहसील व जिला श्रीगंगानगर
2. **कुलविंदर सिंह पुत्र श्री जंगीर सिंह** पता वार्ड नं. 4, ग्राम 1 बीबी, पोस्ट ऑफिस ढिंगावाली जाटान, जिला श्रीगंगानगर **अन्य पता** पट्टा नं. 37, बुक नं. 155, 1 बीबी, ग्राम पंचायत 8 एचएच, तहसील व जिला श्रीगंगानगर

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

15.01.2025

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी बैंक/कम्पनी ने जरिये अधिवक्ता श्री दलीप गोदारा एवं कमल जोशी ने एक प्रार्थना पत्र वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत दिनांक 14.11.2024 को प्रस्तुत किया है कि प्रार्थी बैंक/कम्पनी द्वारा अप्रार्थीगण अमनदीप कौर एवं कुलविंदर सिंह को ऋण सुविधा के रूप में 6.00/– लाख रूपये ऋण राशि की स्वीकृति दिनांक 06.12.2021 को प्रदान की थी। अप्रार्थीगण के खाते में दिनांक 09.07.2024 को 6,18,345/– रूपये की राशि बकाया थी। ऋण की सुरक्षा की एवज में **अप्रार्थी कुलविंदर सिंह द्वारा बंधक रखी अपनी अचल सम्पत्ति भूमि व भवन जो पट्टा नं. 37, बुक नं. 155, 1 बीबी, ग्राम पंचायत 8 एचएच तहसील व जिला श्रीगंगानगर में है। जिसकी माप लगभग 2500 वर्गफीट है।** (चुतः सीमाएं पूर्व– [illegible], **पश्चिम– गुरमेल सिंह, उत्तर–पाल सिंह,** दक्षिण– रास्ता) का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक को पुलिस की सहायता से दिलाया जाने की प्रार्थना की है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Manju
Date: 2025.07.23 15:40:54 IST
Reason: SelfAttested

Manju
जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

मैने, पत्रावली में उपलब्ध उनके प्रार्थना पत्र धारा 14, शपथ पत्र एवं अन्य उपलब्ध दस्तावेजात का भी अवलोकन किया तो पाया कि उक्त प्रार्थना पत्र के अनुसार प्रार्थी बैंक ने **अप्रार्थीगण अमनदीप कौर एवं कुलविंदर सिंह** को ऋण सुविधा के रूप में 6.00/— लाख रूपये **(अखरे रूपये छः लाख मात्र) की स्वीकृति दिनांक 06.12.2021 को प्रदान की थी और** ऋण की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी कुलविंदर सिंह ने अपनी अचल सम्पत्ति **भूमि व भवन जो पट्टा नं. 37, बुक नं. 155, 1 बीबी, ग्राम पंचायत 8 एचएच तहसील व जिला श्रीगंगानगर में स्थित है। जिसकी माप लगभग 2500 वर्गफीट है। (चुतः सीमाए :पूर्व — रास्ता, पश्चिम— गुरमेल सिंह, उत्तर—पाल सिंह, दक्षिण—रास्ता)**, प्रार्थी बैंक के पास रहन रखी। प्रार्थी बैंक के प्रार्थना धारा 14 एवं उसके समर्थन में प्रस्तुत दस्तावेजात एवं शपथ पत्र के अनुसार अप्रार्थी ऋणी का खाता दिनांक 10.07.2024 को अनर्जक परिसम्पत्ति (एन.पी.ए.) हो गया। बैंक द्वारा अप्रार्थी ऋणियों को धारा 13(2) के नोटिस रजिस्टर्ड डाक से भिजवाये गये थे, रजिस्टर्ड डाक से धारा 13(2) के नोटिस भिजवाने की रसीद एवं प्राप्ति के ऑनलाईन ट्रैक भी पत्रावली में उपलब्ध है, जिसके अनुसार अप्रार्थी अमनदीप कौर को धारा 13(2) के नोटिस की तामील नहीं हुई है।

वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करने के लिए विवादग्रस्त सम्पत्ति जिसका भौतिक कब्जा चाहा जा रहा है वह सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में होना आवश्यक है और दूसरा सम्बन्धित ऋणी पर धारा 13(2) के नोटिस की तामील ऋणियों / जमानतदारों पर विधिवत् रूप से होनी आवश्यक है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Manju
Date: 2025.07.23 15:40:54 IST
Reason: Self Attested

जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

जहां तक ऋण की एवज में अप्रार्थी कुलविंदर सिंह की अचल सम्पत्ति भूमि व भवन जो पट्टा नं. 37, बुक नं. 155, 1 बीबी, ग्राम पंचायत 8 एचएच तहसील व जिला श्रीगंगानगर में स्थित है। जिसकी माप लगभग 2500 वर्गफीट है। (चुतः सीमाए :पूर्व – रास्ता, पश्चिम– गुरमेल सिंह, उत्तर–पाल सिंह, दक्षिण–रास्ता), जो प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी हुई है, का संबध है, वह निम्न हस्ताक्षरकर्ता के क्षेत्राधिकार जिला श्रीगंगानगर में स्थित है। इसलिए वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के तहत निम्न हस्ताक्षरकर्त्ता कार्रवाई करने के लिए सक्षम है।

जहां तक अप्रार्थी ऋणी पर धारा 13(2) के जारी नोटिस 10.07.2024 की तामील का प्रश्न है। प्रार्थना पत्र के अनुसार दिनांक 10.07.2024 को 60 दिवस में राशि जमा करवाने का धारा 13(2) के नोटिस, अप्रार्थीगण को रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 15.07.2024 को भिजवाये गये थे, जिसकी रसीद पत्रावली में उपलब्ध है। धारा 13(2) के नोटिस प्राप्ति के ऑनलाईन ट्रैक भी पत्रावली में उपलब्ध है, जिसके अनुसार अप्रार्थी कुलविन्द्र सिंह को धारा 13(2) का नोटिस तामील हो गया है परन्तु अप्रार्थी अमनदीप कौर को नहीं। इसलिए प्रार्थी बैंक ने धारा 13(2) का नोटिस अप्रार्थीगण की सम्पत्ति पर दिनांक 25.07.2024 को चस्पा कर दो समाचार पत्रों जनसत्ता एवं फाईनेंशियल एक्सप्रैस में दिनांक 26.07.2024 को प्रकाशित करवाये है, जिसके अनुसार अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस की तामील होना माना जाना उचित है। इसके बावजूद भी अप्रार्थीगण ने बैंक की बकाया राशि जमा नही करवाई है और न ही शपथ पत्र के अनुसार नोटिस पर कोई आपत्ति या अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है। इसलिए ऋण की राशि की एवज में ऋणी कुलविंदर सिंह द्वारा प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी गई संपतियों का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक को दिलाया जाना उचित होगा।

Signature Not Verified
Digitally signed by Manju
Date: 2025.07.23 15:40:54 IST
Reason: SelfAttested

Manju
जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

अतः उक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी इंडिया शेल्टर फाईनेंस कॉरपोरेशन लि. का उक्त प्रार्थना पत्र वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 अन्तर्गत धारा 14 **स्वीकार किया जाता है** और अप्रार्थी ऋणी कुलविंद्र सिंह **द्वारा प्रार्थी बैंक/कम्पनी से प्राप्त ऋण की सुरक्षा की एवज में बंधक रखी गई अचल सम्पत्ति भूमि व भवन जो पट्टा नं. 37, बुक नं. 155, 1 बीबी, ग्राम पंचायत 8 एचएच तहसील व जिला श्रीगंगानगर में स्थित है। जिसकी माप लगभग 2500 वर्गफीट है। (चुतः सीमाए :पूर्व – रास्ता, पश्चिम– गुरमेल सिंह, उत्तर–पाल सिंह, दक्षिण–रास्ता), का भौतिक कब्जा जरिये पुलिस की सहायता से प्रार्थी बैंक/कम्पनी को दिलाये जाने के आदेश दिये जाते है।** इस आदेश की प्रति जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर को इस आदेश के साथ अग्रेषित की जाती है कि प्रार्थी बैंक/कम्पनी को उक्त अचल सम्पत्ति का भौतिक कब्जा दिलाने हेतु उनके चाहे अनुसार, नियमानुसार पुलिस सहायता उपलब्ध करवाई जावें। सहायता उपलब्ध करवाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जावे कि उक्त बंधक रखी गई सम्पत्ति किसी भी न्यायालय में विवादित अथवा स्थगन से प्रभावित तो नहीं है। आदेश की प्रति प्रार्थी बैंक व जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर को पालनार्थ भिजवाई जावे। पत्रावली बाद तरतीब तक़मील दाख़िल दफ़्तर हो।

यह आदेश आज दिनांक 15.01.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

Manju

(डॉ. मन्जू)
जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

Signature Not Verified

Digitally signed by Manju
Date: 2025.07.23 15:40:54 IST
Reason: SelfAttested